उपभोक्ताओं द्वारा वर्ष-वार और शाखा-वार कितनी शिकायतें दर्ज कराई गईं;

(ख) वर्ष-वार, शाखा-वार दर्ज की गई शिकायतों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सुपर बाजार के प्राधिकारियों ने उपभोक्ताओं द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच कराने से इंकार कर दिया है;

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ङ) क्या शिकायतकर्ताओं को उनकी शिकायतों का उत्तर दे दिया गया था; और

(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री (उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण प्रणाली विभाग) में राज्य मंत्री (श्री विनोद शर्मा): (क) सुपर बाजार से सूचित किया है कि वर्ष 1993-94 के दौरान केवल एक मौखिक शिकायत प्राप्त हुई थी।

(ख) 26 मई, 1993 को प्राप्त हुई मौखिक शिकायत सुपर-बाजार की शाखा समय से न खोले जाने के बारे में थी।

(ग) जी नहीं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता है।

(ङ) सुपर बाजार ने सूचित किया है कि यद्यपि शिकायतकर्ता को कोई उत्तर नहीं भेजा गया था लेकिन आवश्यक कार्रवाई कर दी गई थी।

(च) प्रश्न नहीं उठता है।

सुपर बाजार में काम के प्रति लापरवाही और उपेक्षा के मामले

1066. **श्री गोविन्दराम मिरी:** क्या नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले सार्वजनिक वितरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को सुपर बाजार में बिक्री सहायकों में काम के प्रति बढ़ती लापरवाही और उपेक्षा की प्रवृत्ति की जानकारी है जिसके फलस्वरूप जनता को सुपर बाजार में संतोषप्रद उपभोक्ता सेवायें नहीं मिल पा रही है;

(ख) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान इस संबंध में जनता से सुपर बाजार को शाखा-वार कितनी शिकायतें मिली और उनमें कितने व्यक्तियों को दोषी पाया गया?

नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय (उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण प्रणाली विभाग) में राज्य मंत्री (श्री विनोद शर्मा): (क) से (ग) भारत सरकार को सुपर बाजार के बिक्री सहायकों की ग्राहकों के प्रति लापरवाही और उपेक्षा के बारे में कोई शिकायत नहीं मिली है और न ही सुपर बाजार से कोई रिपोर्ट प्राप्त हुई है। सुपर बाजार ने सूचित किया है कि उन्हें पिछले तीन वर्षों के दौरान किसी भी बिक्री सहायक के विरुद्ध कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

Cash and credit crunch in sugar mills

1067. SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:
SHRIMATI VEENA VERMA:

Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Cooperative and other sugar mills in Maharashtra and other States are facing a cash and crdit crunch with huge arrears of payments, to be made to peasants accumulated;

(b) if so, what was the overall stock and arrears of payment situation as at the end of January, 1996 in Maharashtra and other States; and

(c) the steps taken by Government to resolve the crisis?

THE MINISTER OF FOOD (SHRI AJIT SINGH): (a) to (c) During the initial period of the crushing season when the volume of cane purchase is comparatively higher, the arrears of cane price tend to increase which gradually get reduced substantially by the end of the season. The cane price arrears as on 31.01.1995 relating to the 1994-95 season which were Rs. 576.87 crores representing 17.7% of the total amount payable got reduced to Rs. 129.32 crores, representing 1.5% of the total amount payable as on 15.11.1995.